छोटा सरदार

सिड, हिंदी : विदूषक

छोटा सरदार

सिड, हिंदी : विदूषक

छोटा सरदार

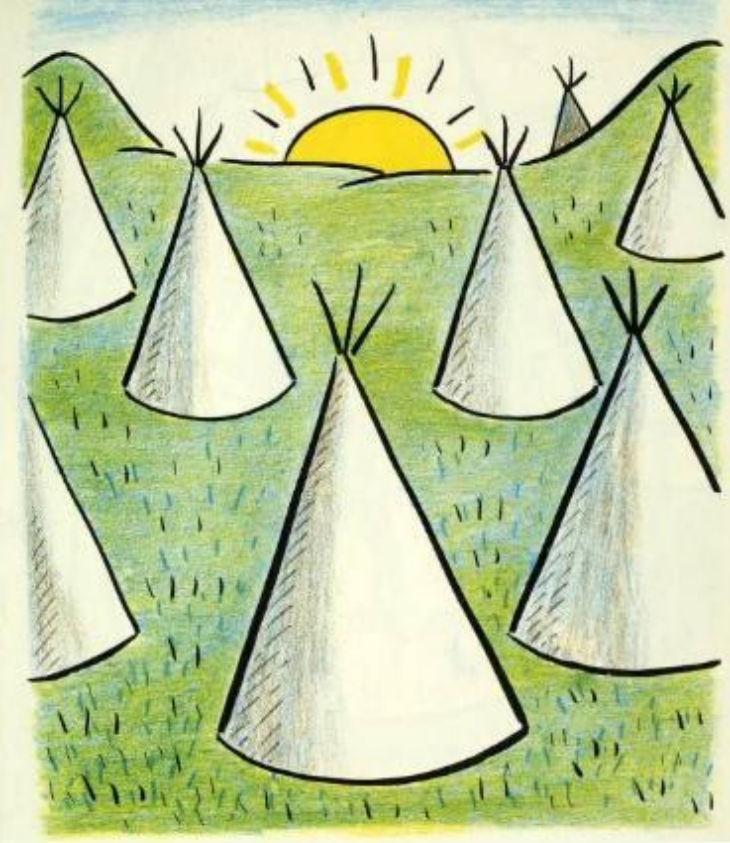

बहुत समय पहले की बात है.
एक हरी घाटी में पचास तम्बू थे.

उनमें से एक तम्बू में छोटा सरदार रहता था.
वो एक इंडियन आदिवासी लड़का था.

उसके पिताजी शिकार पर जा रहे थे.
“क्या मैं आपके साथ आ सकता हूँ?”
छोटे सरदार ने पूछा.

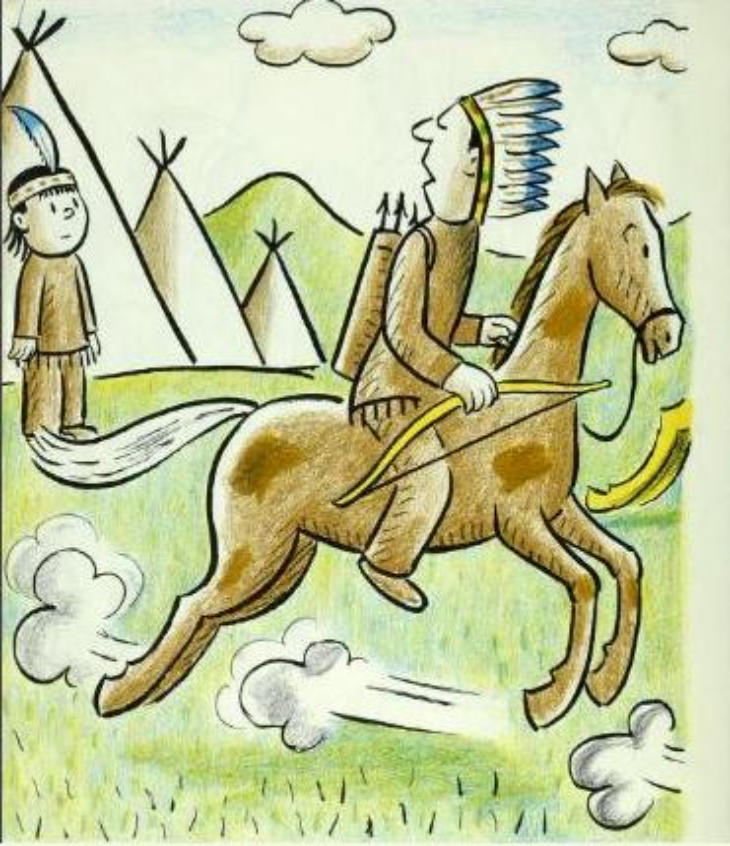

“नहीं,” पिताजी ने कहा.

“तुम घर पर रहकर अपनी माँ की मदद करो.”

छोटे सरदार ने तम्बू साफ़ करने में
माँ की मदद की.

उसने मक्का छीलने में भी माँ की मदद की.

उसने कपड़े सुखाने में भी मदद की.

अंत में जाकर सब काम ख़त्म हुआ.
“अब तुम जाकर खेल सकते हो,”
छोटे सरदार की माँ ने उससे कहा.

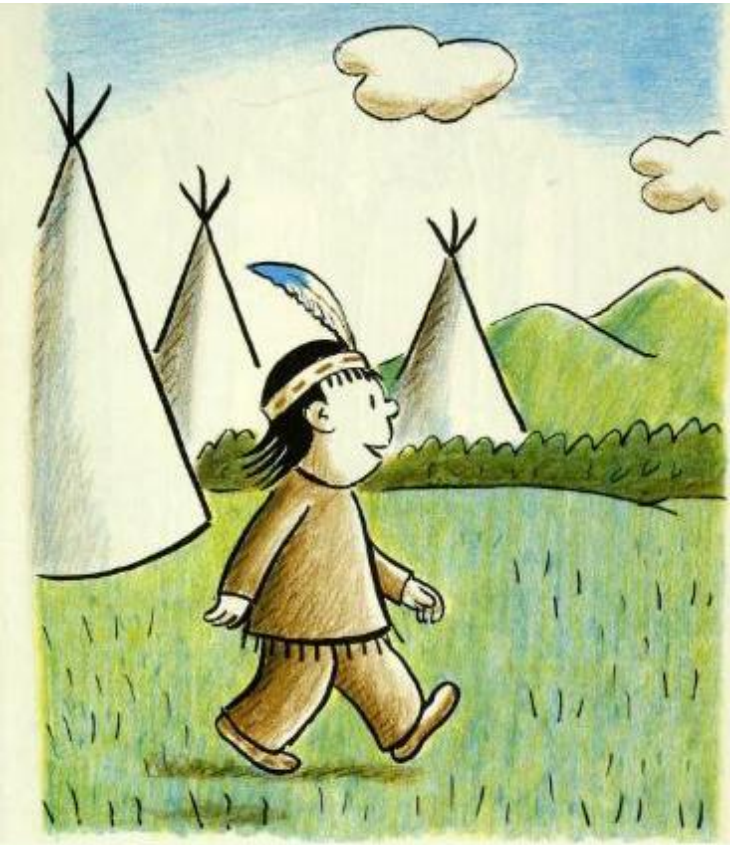

“बहुत अच्छा,” छोटे सरदार ने कहा.
“अब मैं शिकारी का खेल खेलूंगा.”

फिर वो जंगल में गया.

वहां छोटे सरदार को एक लोमड़ी दिखी.
“क्या मुझे तुम्हारी रोयेंदार चमड़ी मिल सकती है?” उसने पूछा.

“हाँ, अगर तुम मुझे पकड़ पाओ,” लोमड़ी ने कहा.
फिर लोमड़ी तेज़ी से दौड़ी.

कुछ देर में छोटे सरदार को एक भालू दिखा.
“क्या मुझे तुम्हारी रोयेंदार चमड़ी मिल सकती है?”
उसने पूछा.

“नहीं, यह संभव नहीं है,” भालू ने कहा.
“फिर मैं क्या पहनूंगा?”
उसके बाद भालू ने छोटे सरदार को भगाया.

कुछ देर में छोटे सरदार को एक भैंसा दिखा.
“क्या मुझे तुम्हारी रोयेंदार चमड़ी मिल सकती है?”
उसने पूछा.

“हाँ, ले लो,” भैंसे ने कहा.
“मैं अपने झुण्ड से खो गया हूँ.
अब मेरा क्या होगा मुझे उसकी कोई फ़िक्र नहीं.”

“देखो मुझ से डरो मत,” छोटे सरदार ने कहा.
“मैं सचमुच का शिकारी नहीं हूँ.
मैं तो सिर्फ खेल रहा था.
चलो, मैं झुण्ड खोजने में तुम्हारी मदद करूंगा.”

फिर वो दोनों काफी चले.
“देखो यह रहा तुम्हारा झुण्ड,”
छोटे सरदार ने कहा.

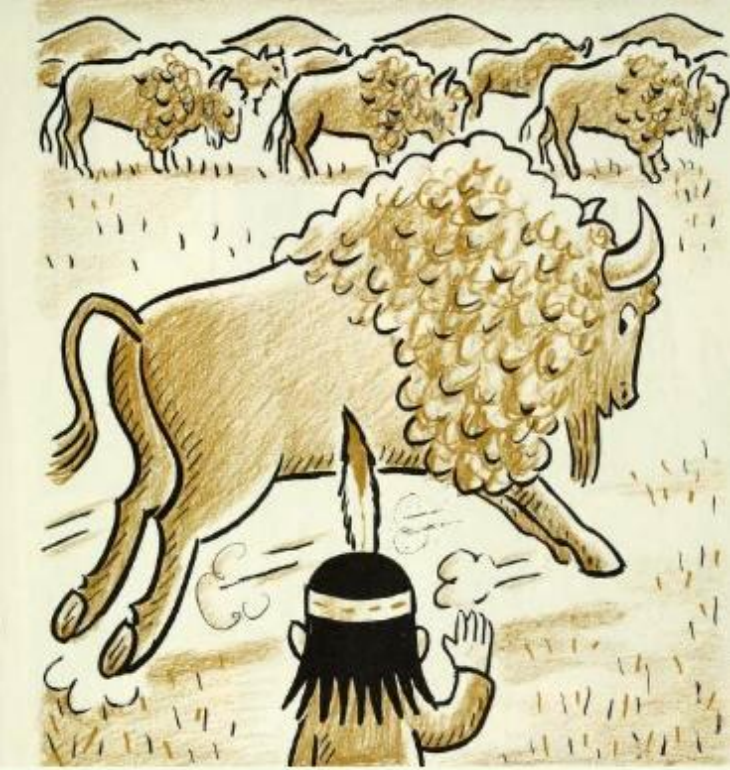

“तुम्हारा बहुत शुक्रिया,” भैंसे ने कहा.
“मुझे तुमसे मिलकर बड़ी ख़ुशी हुई.”
“मुझे भी,” छोटे सरदार ने कहा.

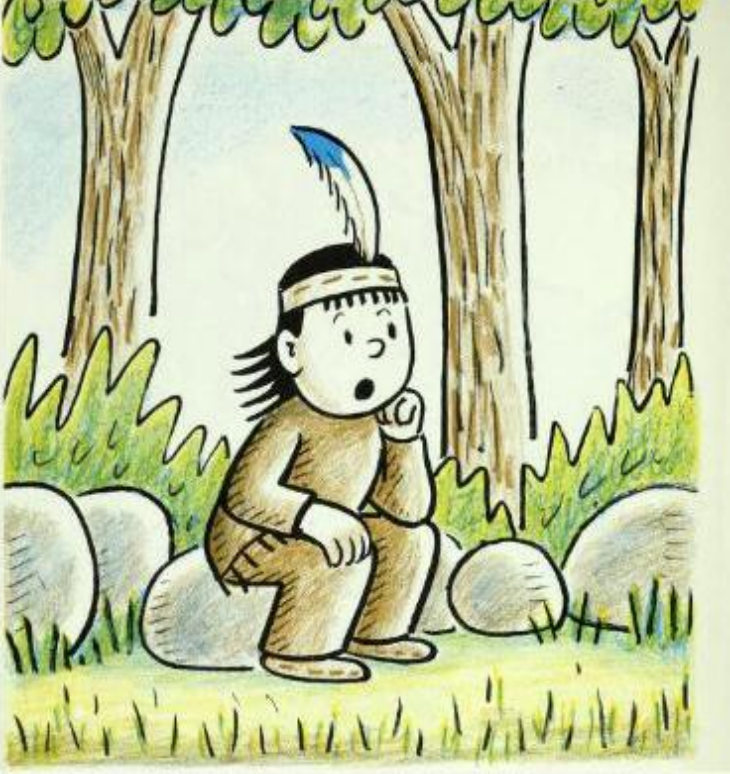

फिर छोटा सरदार बैठ कर आराम करने लगा.
“काश मेरे साथ कोई खेलने वाला होता,”
उसने कहा.

“तुम हमारे साथ खेल सकते हो,”
दो जंगली कुत्तों ने कहा.

“तुम हमारे साथ खेल सकते हो,”
दो हिरणों ने कहा.

“तुम हमारे साथ भी खेल सकते हो,”
दो साँपों ने कहा.

“मेरा मतलब है,” छोटे सरदार ने कहा.
“काश, मेरे साथ दूसरे बच्चे खेलने के लिए होते.”

तभी एक ज़ोर की आवाज़ आई.
“यह क्या है?” जानवरों ने कहा.
फिर सभी जानवर वहां से भाग गए.

धीरे-धीरे आवाज़ और तेज़ होती गई.
छोटा सरदार एक पत्थर के पीछे छिप गया.

वो आवाज़ घोड़ा-गाड़ियों की थी.
उस कारवां में कई घोड़ा-गाड़ियाँ थीं.
“चलो यहीं रुकते हैं,” उनके लीडर ने कहा.

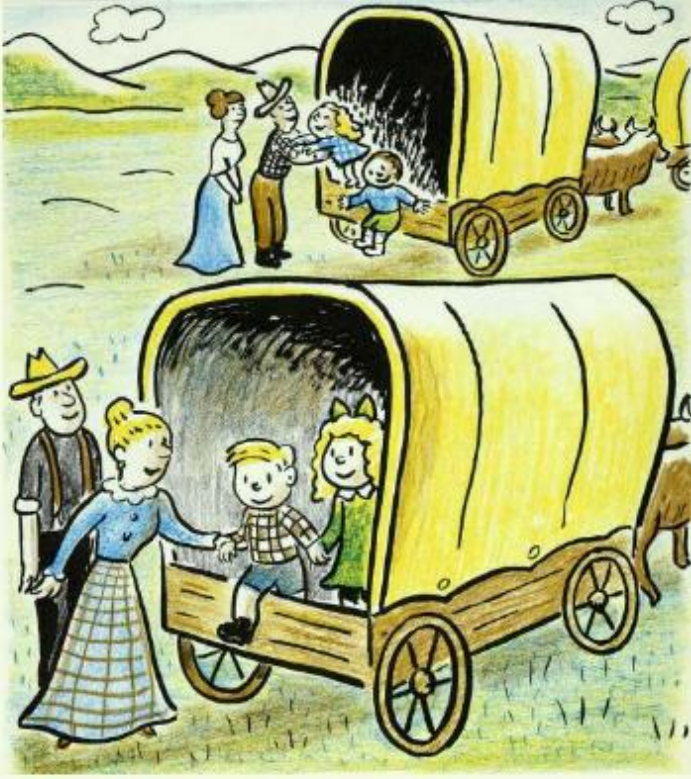

फिर गाड़ियों में से लोग उतरे.

“जाओ और खेलो,” उन्होंने अपने बच्चों से कहा.

फिर बच्चे मैदान में दौड़ने लगे.

उनमें से एक बच्चे ने पत्थर के पीछे झाँककर देखा.
“देखो, मुझे यहाँ कौन मिला!,” उसने कहा.

“तुम कौन हो?” बाकी बच्चों ने पूछा.

"मैं एक आदिवासी इंडियन हूँ,"
छोटे सरदार ने कहा.
"मैं यहीं रहता हूँ."

“क्या तुम हमारे साथ खेलना चाहोगे?”
बच्चों ने पूछा.
“ज़रूर,” छोटे सरदार ने कहा.

फिर बच्चों ने छोटे सरदार को अपने खेल सिखाए.

उन्होंने उसे “छिपा-छिली” खेल सिखाया.

उन्होंने उसे “पिट्ठू” का खेल सिखाया.

उन बच्चों को जितने खेल आते थे,
उन्होंने वे सारे खेल छोटे सरदार को सिखाए.

“आदिवासी इंडियन्स क्या करते हैं?”
बच्चों ने पूछा.

“इंडियन्स, चिड़ियों को बुला सकते हैं,”
छोटे सरदार ने कहा.
फिर उसने चिड़ियों को बुलाया और वो आ गईं.

“इंडियन्स बिना आवाज़ किए चल सकते हैं,”
छोटे सरदार ने कहा.
फिर छोटे सरदार ने बिना कुछ आवाज़
किए चलकर दिखाया.

“इसके अलावा इंडियन्स और क्या कर सकते हैं?”
बच्चों ने पूछा.
“वो बारिश का नाच कर सकते हैं,”
छोटे सरदार ने कहा.

“वाह! क्या बात है,” बच्चों ने कहा.
“हमें करके दिखाओ!”

फिर छोटे सरदार ने नाचना शुरू किया.

उसने अपने हाथ हिलाए और ऊपर-नीचे कूदा.

“अभी तो बारिश नहीं आई,” बच्चों ने कहा.

फिर छोटे सरदार ने जोर से
अपने हाथ हिलाए और ऊपर-नीचे कूदा.

“पर सूरज तो अभी भी चमक रहा है,”
बच्चों ने कहा.

उसके बाद छोटे सरदार ने बहुत ज़ोरों से नाचना शुरू किया.

छोटे सरदार के साथ-साथ बाकी बच्चों ने भी
नाचना शुरू किया.
पर फिर भी बारिश नहीं आई.

“बच्चों अब घोड़ा-गाड़ियों में वापिस आओ,”
उनका लीडर चिल्लाया.

“अलविदा,” बच्चों ने कहा.
“अभी थोड़ी ही देर में बारिश आती,”
छोटे सरदार ने कहा.

बच्चे मैदान को पार करने दौड़े.

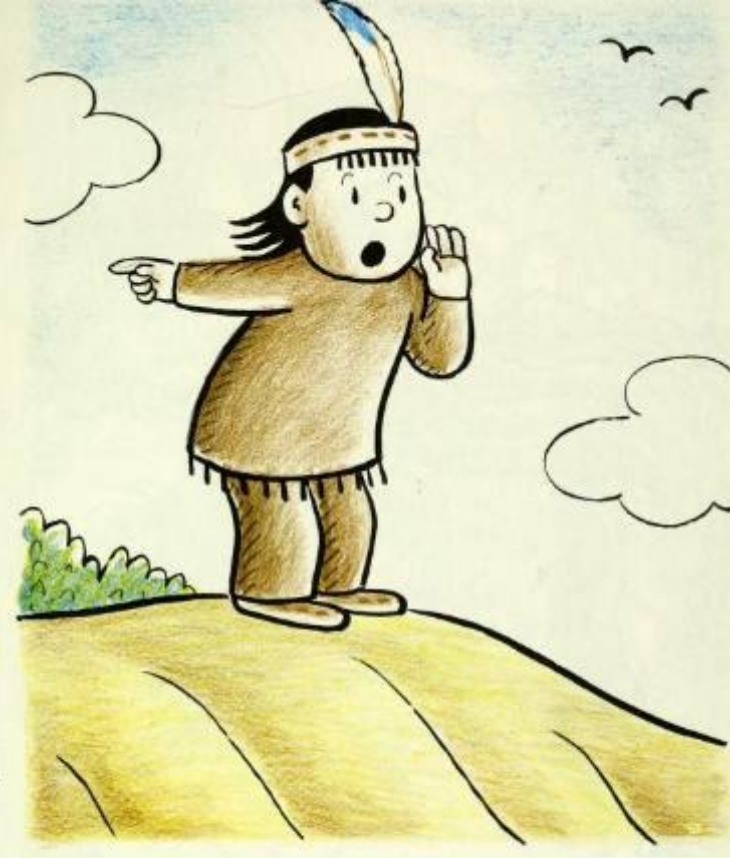

“ज़रा भैंसों से सावधान रहना,”
छोटे सरदार ने चिल्लाकर कहा.

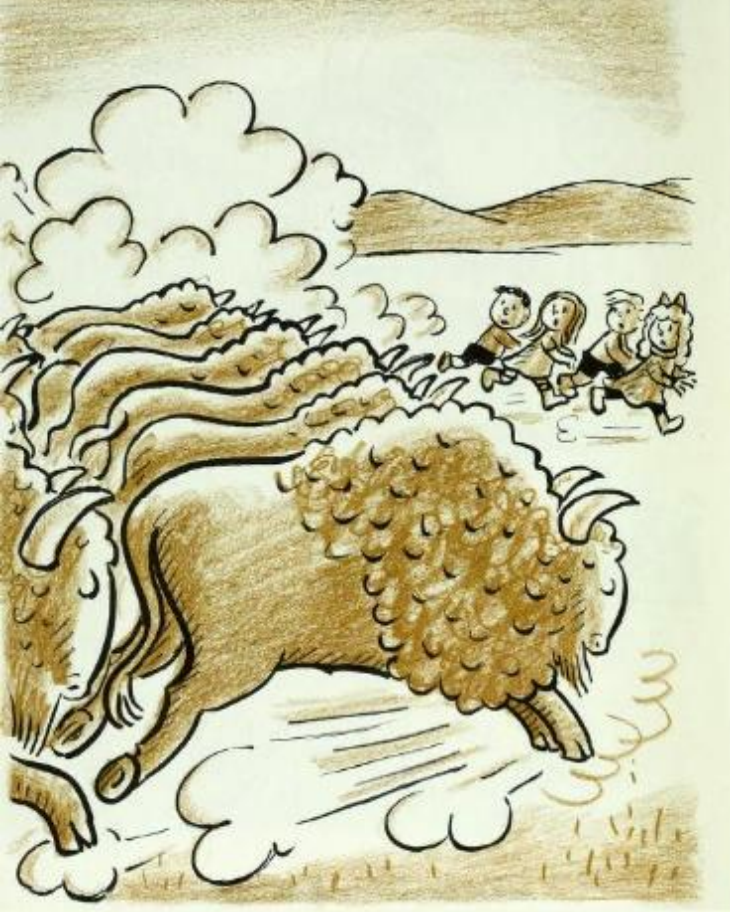

तभी भैंसे बच्चों की तरफ दौड़े.

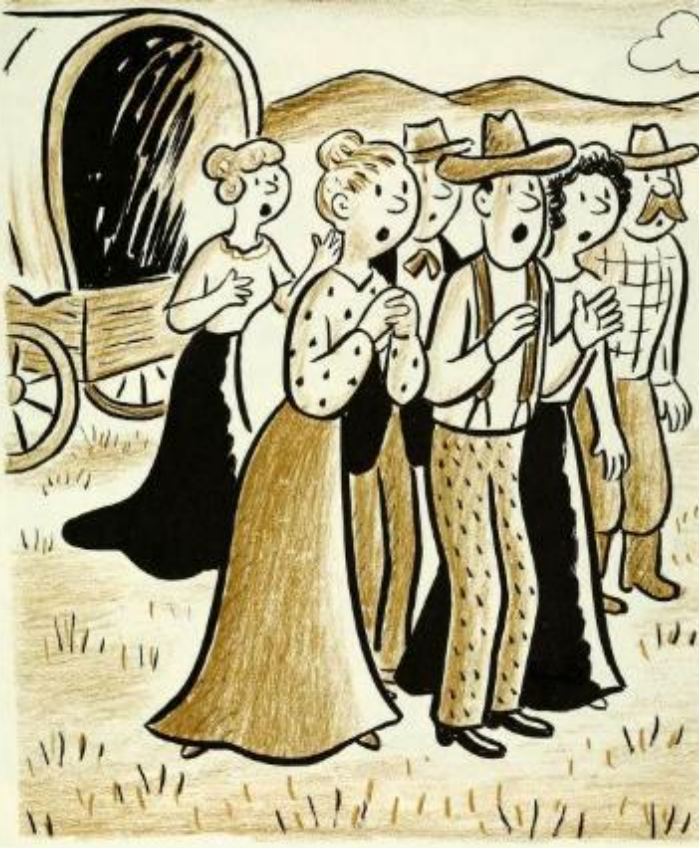

“हमें अपने बच्चों को बचाना चाहिए!”
लोगों ने घबराकर कहा.

“मैं उन्हें बचाऊंगा!” छोटे सरदार ने कहा.
वो सब बच्चों के आगे दौड़ा.

“यह तो मेरा दोस्त छोटा सरदार है,”
उनमें से एक भैंसे ने कहा.
फिर भैंसों का झुण्ड मुड़कर दूसरी
दिशा में चला गया.

सभी लोगों ने छोटे सरदार का शुक्रिया अदा किया.
“हम लोग इसी हरी घाटी में ही आकर बसेंगे,”
लोगों ने कहा.

“यह मेरे लिए बड़ी ख़ुशी की बात होगी,”
छोटे सरदार ने कहा.
“तब हम लोग अच्छे दोस्त बनेंगे.”